अनुक्रमणिका

खण्ड-१ : मन्त्र साधना में सफलता कैसे पायें १

भाग-१

१. पूर्व वार्ता ३
२. धर्म का प्रमाण ४
३. संस्कार और प्रज्ञा ६
४. धर्माचरण की आवश्यकता ८
५. साधन और उपाय ९
६. दीक्षा ग्रहण ११
७. गुरु की आवश्यकता १३
८. गुरु लक्षण १६
९. निन्द्य गुरु लक्षण १९
१०. गुरु तत्व २१
११. शिष्य लक्षण २३
१२. निन्द्य शिष्य लक्षण २५
१३. गुरु शिष्य की परीक्षा २६
१४. गुरु के प्रति शिष्य का कर्त्तव्य २८
१५. ब्राह्मण के मन्त्र ग्रहण में आपत्ति खण्डन ३३
१६. व्यक्ति विशेष से मन्त्र ग्रहण करने एवं न करने पर विचार ३५
१७. स्त्री-गुरु ३७
१८. स्वप्नलब्ध मन्त्र से गुरु करण ३८

भाग-२

१९. मन्त्र विचार ४०
२०. चक्र विचार की आवश्यकता ४१
२१. कुलाकुल चक्रम् ४२
२२. राशिचक्रम् ४४
२३. नक्षत्र चक्रम् ४७
२४. अकथह चक्रम् ५०
२५. अकडम् चक्रम् ५२
२६. ऋषि-धनि चक्रम् ५३
२७. देवता भेद से चक्र विचार ५७
२८. दीक्षा काल निर्णय ५८

भाग-३

२९. दीक्षा प्रकरण ७८
३०. कलावती दीक्षा पद्धति ७८
३१. पंचायतनी दीक्षा पद्धति ९०
३२. संक्षेप दीक्षा पद्धति ९१
३३. अभिषेक ९३

खण्ड-२ : चमत्कारी मन्त्र साधना

९९
१. आध्यात्मिक रहस्य १०१
२. मन्त्रों का चमत्कारी प्रभाव १०७
३. मन्त्र साधना कैसे करें १०८
४. साधक और विधान ११४
५. चमत्कारी साधना और सिद्धि ११९
६. कामरूप कामाख्या १२०
७. भूत-प्रेत नाशक मन्त्र १२३
८. ग्रह बाधा दूर करने का मन्त्र १२३
९. भूत-प्रेत निवारण मन्त्र १२४
१०. मेथी द्वारा भूत निवारण १२४
११. सरसों द्वारा भूत निवारण १२४
१२. हल्दी द्वारा भूत निवारण १२५
१३. चमत्कारी साधनायें १२५
१४. सरस्वती साधना १२६
१५. बटुक भैरव साधना १२६
१६. मेनका साधना १२६
१७. तारा साधना १२७
१८. सरस्वती साधना १२७
१९. कमला साधना १२७
२०. श्मशान जागरण साधना १२८
२१. कृत्या साधना १२८
२२. स्वर्णवती साधना १२९
२३. कनकावती साधना १२९
२४. अखण्ड लक्ष्मी साधना १२९
२५. चमत्कारी तन्त्र-मन्त्र टोटके १३०-१५२
(विभिन्न प्रकार के शाबर मन्त्र, वशीकरण मन्त्र, आकर्षण मन्त्र, उच्चाटन मन्त्र, स्तम्भन मन्त्र, भूत का झाड़ा इत्यादि)

२६. चमत्कारी कौआ तन्त्र–मन्त्र १५३
२७. चमत्कारी उलूक तन्त्र–मन्त्र १६२
२८. चमत्कारी दुर्गा सप्तशती मन्त्र साधना १७५

खण्ड–३ : पराविज्ञान की साधना और सिद्धियाँ **१७९**

१. भूत–प्रेत : वैज्ञानिक विश्लेषण १८१
२. भूत–प्रेत कैसे बनते हैं और क्या करते हैं १८५
३. साधना कैसे की जाती है १८८
४. तांत्रिक क्रियाओं से पहले २०५
५. तांत्रिक क्रियायें कब करें २११
६. गुरु का महत्व २१२
७. भैरव साधना (बटुक भैरव साधना सहित) २१४
८. यक्षिणी साधना (कई प्रकार की साधनाएँ) २२१
९. यक्षिणी और किन्नरी मन्त्र २२४
१०. भूत–प्रेतों का संसार २२५
११. भूत–प्रेत और वैज्ञानिक २२७
१२. भूत–प्रेतों का आह्वान २२८
१३. जिन्नपरी साधना २२९
१४. लालपरी साधना २३०
१५. अप्सरा मेनका साधना २३०
१६. अप्सरा उर्वशी साधना २३१
१७. कर्णमातंगी साधना २३२
१८. औघड़ साधना २३४
१९. भूत–प्रेत बाधा या ओपरा निवारण (यन्त्रों सहित) २३६
२०. शाबर मन्त्र की सिद्धियाँ २४१
२१. तन्त्र और हिजड़े २४४
२२. तन्त्र में सर्प का प्रयोग २४४
२३. मंजुघोष साधना २४८
२४. षोडशी विद्या २५३
२५. तन्त्र साधना द्वारा नेत्रों का आकर्षण बढ़ाने के उपाय २६०
२६. अंजन, दर्पण, अँगूठी आदि में देखने के बारे में महत्वपूर्ण सूचनाएँ २६३

खण्ड–४ : अतीन्द्रिय ज्ञान एवं रूहों का बुलाना पराविद्या और इच्छाशक्ति के चमत्कार **२६५**

१. मस्तिष्क के प्रकार २६७
परोक्ष का भान किस प्रकार होता है २६७

मस्तिष्क से रंगीन किरणों का निकास २६८
दोनों प्रकार के मस्तिष्कों का अन्तर २६९
२. रूहों (आत्मा) के बुलाने के साधन २७०
प्लेनचिट का कार्य २७०
प्लेनचिट से क्या लिखा जाता है २७०
क्या रूहें प्लेनचिट के द्वारा उत्तर देती हैं २७१
दो संघों का विवरण २७१
रूहें बोलती क्यों नहीं २७२
मेज का हिलना (Table Tilting) २७२
स्वयं प्रेरित लेख (Automatic Writing) २७३
उज्ज्वल स्वप्न २७५
भूतप्रेतवाद (Ghost) २७५
परिचित्त ज्ञान (Telepathy) २७६
परिचित्त ज्ञान की वास्तविकता २७८
३. मैस्मरेज़म के द्वारा परोक्ष दर्शन २७९
आत्मा २७९
द्वितीय भौतिक आकर्षण शक्ति २८०
पाश्विक आकर्षण २८०
मैस्मरइज्म (Mesmerism) की साक्षी २८२
४. मेस्मरेज़म (इच्छाशक्ति) की मुख्य बातें २८४
विधेय के लक्षण २८४
विधेय के लिए आवश्यक शिक्षाएँ २८४
मैग्नाटाइजर को आवश्यक शिक्षा २८४
मैस्मराइज के सम्बन्ध में २८४
आकर्षणात्मक प्रभाव खींचने की विधि २८५
मैस्मराइज करने की विधियाँ २८५
विधेय की प्रथमावस्था २८६
विधेय की द्वितीय अवस्था २८७
भीतरी प्रकाश में ले जाना २८८
बाहर के प्रकाश में ले आना २८९
विधेय को तैयार करना २९०
विधेय को जगाने की विधि २९१
आवश्यक चेतावनी २९१
ध्यान देने योग्य बातें २९२
५. मनोकामना और सांसारिक बातें जानना (Sympathy & Clair Voyance) २९३

६. मन की बात जानना (Thought Reading)	.....	....	२९५
मैस्मरेजम जल बनाना	.....	....	२९५
विधेय को अभ्यास की जरूरत	.....	....	२९५
७. भारतीय योग दर्शन में अतीन्द्रिय ज्ञान	.....	....	२९६
पतंजलि राजयोग	.....	....	२९६
ध्यान विधि	.....	....	२९७
अध्यात्म प्राण का संयम	.....	....	२९८
प्राणायाम साधना की क्रिया	.....	....	२९८
प्रत्याहार और धारणा	.....	....	३०१
ध्यान और समाधि	.....	....	३०५
समाधि के प्रकार	.....	....	३०८
विभूति पाद व्याख्या	.....	....	३०९
संयम के द्वारा सिद्धियों का विवेचन	.....	....	३१०
खण्ड-५ : तन्त्र-मन्त्र द्वारा पृथ्वी में गढ़ाधन कैसे पायें			**३१३**
१. विषय प्रवेश	.....	....	३१५
२. पृथ्वी में गढ़ा धन और रक्षक सर्प	.....	....	३१७
३. धनवान बनने के तान्त्रिक उपाय	.....	....	३१९
४. श्री कनकधारा स्तोत्र	.....	....	३२५
५. दीवाली पर विशेष साधना	.....	....	३२८
६. लक्ष्मी साधना	.....	....	३२९
७. होली पर विशेष लक्ष्मी साधना	.....	....	३३०
८. साधना से पहले	.....	....	३३२
९. पृथ्वी से उत्पन्न जड़ी-बूटी और पौधा लाने का विधान		....	३३६
१०. निधि प्रदीप (नीलकण्ठ शम्भु द्वारा रचित)	.....	....	३४४
प्रथम परिच्छेद	.....	....	३४४
द्वितीय परिच्छेद	.....	....	३५०
तृतीय परिच्छेद	.....	....	३६४
चतुर्थ परिच्छेद	.....	....	३७९
धनरक्षा कारक	.....	....	३८२
११. धन प्राप्ति की मन्त्र साधना	.....	....	३८७
१२. दीपावली को मन्त्र साधना	.....	....	३९०
१३. गुप्त प्राचीन विद्या-अहिबलचक्रम भाषा-टीका...		....	३९४

खण्ड-६ : श्री नृसिंह तन्त्र और गढ़वाली शाबर अर्थात् गढ़वाल का प्राचीन तन्त्रसार	४०५
१. विष्णु चालीसा	४०७
२. श्री नृसिंह कवच	४०९
३. भगवान नृसिंह की १०८ नामावली	४१२
४. श्री नृसिंह महामंत्र	४१३
५. अथ श्री हनुमान १०८ नामावली	४१४
६. श्री महाभैरव स्तुति	४१५
७. श्री भैरव क्षेत्रपाल नामावली	४१६
८. नृसिंह पूजन सामग्री	४१७
९. नृसिंह जप में विशेष बातें	४१७
१०. नृसिंह पूजन आरम्भ	४१८
११. शरीर पवित्रीकरण	४१८
१२. गणेश ध्यान	४१८
१३. श्री नृसिंह पूजन मंत्र	४१८
१४. श्री पाताल नृसिंह मंत्र	४२१
१५. अथ नृसिंह पूजन विधि	४२२
१६. अथ नारसिंह जगाने का मंत्र	४२३
१७. अथ श्री नारसिंह (प्रथम उखेल मंत्र)	४२८
१८. अथ उखेल भेद (२)	४३०
१९. अथ घात उगलाना	४३२
२०. नृसिंह शान्त करने का मंत्र	४३३
२१. श्री लक्ष्मी नृसिंह स्तोत्रम्	४३४
२२. क्षमा प्रार्थना	४३५
२३. श्री दशावतार स्तोत्रम्	४३५
२४. दशावतार नृसिंह की दश शक्तियाँ	४३६
२५. श्री भैरव मन्त्र	४३७
२६. माँ शक्ति की १०८ नामावली	४३८
२७. आश्चर्यजनक प्राचीन दुर्लभ यंत्र	४३९
२८. श्री नृसिंह पूजन यन्त्र	४४०
२९. दाँत दर्द का मंत्र (घुणदा)	४४१
३०. लोण मंत्र (नमक)	४४१
३१. गाँठा ताबीज मंत्र	४४१
३२. महामंत्र (सुख-सम्पत्ति के लिए व अन्य मन्त्र)	४४२
३३. अथ मुसलमानी विद्या	४४४

३४. अथ चेड़ा वकौण का मंत्र ४५३
३५. त्रिखण्डी महामंत्र ४५४
३६. पाशुपतास्त्र मंत्र द्वारा महाशान्ति ४५४
३७. श्री भैरव महामंत्र ४५५
३८. वंशीकरण मंत्र–१ .... ४५५
३९. वंशीकरण मंत्र–२ .... ४५५
४०. गंगा वशीकरण मंत्र–१ .... ४५६
४१. गंगा वशीकरण मंत्र–२ .... ४५६
४२. क्षेत्रपाल बलि मंत्र ४५६
४३. वशीकरण मंत्र ४५६
४४. महामृत्युंजय मंत्र ४५६
४५. मृतसंजीवनी मंत्र ४५६
४६. अन्य विशेष मंत्र (ईशान) ४५७
४७. शिव कवच मंत्र ४५७
४८. रुद्रशान्ति महामंत्र ४५८
४९. गौरी मंत्र ४५८
५०. कुब्जिका मंत्र ४५८
५१. मारण मंत्र–१ .... ४५९
५२. मारण मंत्र–२ .... ४५९
५३. निग्रह मंत्र ४५९
५४. हवन मंत्र ४५९
५५. काली–आनुष्टुभ मंत्र ४५९
५६. यम–आनुष्टुभ मंत्र ४५९
५७. श्री लक्ष्मी मंत्र ४६०
५८. सरस्वती मंत्र ४६०
५९. काली मंत्र ४६०
६०. काकबलि मंत्र ४६१
६१. कुकुर बलि मंत्र ४६१
६२. गो ग्रास मंत्र ४६१
६३. पूजन क्रिया में वायुदेव आहुतियाँ ४६१
६४. विशेष उत्सव में स्नान महामंत्र ४६१
६५. डंश मंत्र ४६२
६६. गरुड़ महामंत्र ४६२
६७. आनुष्टुभ नृसिंह मंत्र ४६२
६८. झाड़ने वाले मंत्र ४६३

६९. विष उल्टने वाले मंत्र ४६३
७०. बालग्रह शान्ति मंत्र ४६४
७१. ज्वर गायत्री मंत्र ४६४
७२. श्री गणेशपंचाङ्गन्यास ४६४
७३. वशीकरण मंत्र ४६५
७४. घण्टाकर्ण महामंत्र ४६५
७५. श्री नृसिंह मारणमंत्र ४६५
७६. पापनाशक मंत्र ४६५
७७. त्रैलोक्य महामंत्र ४६६
७८. विष्णु गायत्री मंत्र ४६६
७९. श्रीमन्त्र (अङ्गन्यास सहित) ४६६
८०. शत्रु विजय प्राप्ति मंत्र ४६७
८१. माँ दुर्गा मूल मंत्र ४६७
८२. त्रिपुरा भैरवी महामंत्र ४६७
८३. स्वप्न मंत्र ४६७
८४. श्री नृसिंह प्राणप्रतिष्ठा महामंत्र ४६७
८५. नवग्रह शान्ति मंत्र ४६८
८६. आत्मतत्व शोधनमंत्र ४६९
८७. धान्य वृद्धि हेतु मंत्र ४६९
८८. अन्धाक मंत्र ४६९
८९. हनुमानजी का महामंत्र ४७०
९०. शत्रु विनाशक मंत्र ४७०
९१. संग्राम विजयी मंत्र ४७०
९२. मृतसंजीवनी मंत्र ४७१
९३. त्रैलोक्यविजय महामंत्र ४७१
९४. माँ त्रिशक्ति महामंत्र ४७१
९५. महाभैरव मंत्र (विनियोग सहित) ४७१
९६. अथ मंत्र माला ४७२
९७. श्री बगुलामुखी महामंत्र ४७२
९८. अनुष्ठान से पहले जानने योग्य ४७३
९९. प्राचीन टोटके ४७५

खण्ड-७ : अलौकिक तान्त्रिक तरंग उल्लू-कौवा एवं पशु-पक्षी तन्त्र ४७७

अलौकिक तान्त्रिक तरंग ४७९
१. समुद्री काली कौड़ी ४७९

२. हरसिंगार ४७९
३. गरुड़ ४८२
४. तन्त्र में उल्लू ४८२
५. तन्त्र में सियार ४८३
६. तन्त्र में सेई या शाही ४८४
७. तन्त्र में साँप ४८४
८. तन्त्र में चमगादड़, तन्त्र में बाज, तन्त्र में मयूर ४८५
९. तन्त्र में बिल्ली, दुर्लभ तान्त्रिक वस्तुएँ ४८५
१०. श्वेत गुंजा ४८५
११. थूहर का बांदा, आँवले का बांदा ४८७
१२. पीपल का बांदा ४८७
१३. रुद्राक्ष का बांदा ४८८
१४. बेर का बांदा, बेल का बांदा ४८९
१५. गूलर का बांदा, बहेड़ा वृक्ष का बांदा ४९०
१६. नागदौन ४९१
१७. बबूल ४९१
१८. आक–मदार ४९१
१९. तन्त्र में वृक्षों का महत्त्व, गुड़मार ४९२
२०. लक्ष्मी प्राप्ति का अमोघ तन्त्र ४९४
२१. सन्तान प्राप्ति के लिए ४९४
२२. गुप्त और अलौकिक टोने–टोटके का प्रयोग ४९५
२३. टोने से कैसे बचा जाएं ४९५
२४. विवाह में देरी ४९६
२५. पति–पत्नी में तलाक, अमरबेल–आकाशबल्ली ४९६
२६. उलटकम्बल ४९८
२७. ताड़ ४९९
२८. गिलोय–अमृता ४९९
२९. महानिम्ब ५००
३०. निर्गुण्डी ५००
३१. वनपलाण्डु, पाठा, नागकेसर ५०१
३२. नवग्रहों की जड़ी, नवग्रह यंत्र ५०२
३३. कटहल, धवई ५०३
३४. द्रोणपुष्पी, झांऊ, इमली ५०४
३५. बिदारी कन्द, छुई–मुई ५०४
३६. वशीकरण यन्त्र, एरण्ड, ग्रहदोषनाशक यन्त्र ५०६

३७. धनदायक यन्त्र, कीकर, सुनफा, कौंच ५०६
३८. चार (उच्चाटन मन्त्र सहित) ५०७
३९. बेंत, निम्बुक-कागजी, मुण्डी ५०७
४०. शीशम, गोखरू, रीठा ५०७
४१. केंउटी, सर्पगन्धा, जलधनिया ५०८
४२. पर्पट ५०८
मेरे अनुभुत कुछ अन्य यन्त्र तथा मन्त्र ५०९
४३. कष्ट निवारक यन्त्र ५०९
४४. कर्ज निवारक यन्त्र, टोना-टोटका निवारक यन्त्र ५०९
४५. वास्तुदोष निवारक यन्त्र, शत्रु भयनाशक यन्त्र ५१०
४६. सर्वकार्य सिद्धि यन्त्र ५१०
४७. धनदायक यन्त्र, व्यापार वृद्धि यन्त्र ५११
४८. प्रेमिका वशीकरण यन्त्र-१, प्रेमिका वशीकरण यन्त्र-२ .... ५११
४९. परिवार में सुख के लिए टोटके ५१२
५०. परिवार सुख के लिए तान्त्रिक प्रयोग ५१२
५१. परिवार सुख का दूसरा तान्त्रिक प्रयोग ५१२

उल्लू तन्त्र, कौवा तन्त्र एवं पशु-पक्षी तन्त्र

उल्लू तन्त्र ५१३
५२. लक्ष्मी साधना में उल्लू ५१४
५३. उल्लू के बोलने के शुभ-अशुभ फल ५१५
५४. दिन में उल्लू दिखाई देने का फल ५१६
५५. रात्रि में उल्लू के दिखाई देने का फल ५१७
५६. उल्लू सम्बन्धी शकुन ५१८
५७. उल्लू के तान्त्रिक प्रयोग ५१९
५८. उल्लू द्वारा गड़े धन का पता लगाना ५१९
५९. उल्लू का ताबीज बनाना ५२०
६०. उल्लू के द्वारा विद्वेषण ५२०
६१. उल्लू द्वारा भाग्य वृद्धि ५२०
६२. उल्लू द्वारा वशीकरण ५२१
६३. अदृश्य होने का प्रयोग ५२२
६४. वशीकरण प्रयोग, शत्रु-गृह शून्य कारक ५२२
६५. शत्रु-नाशक प्रयोग, निधि दीपिका ५२२
६६. विद्वेषण एवं उच्चाटन, अदृश्य गुटिका ५२२
६७. पाताल-दर्शन, स्तम्भन प्रयोग ५२३

६८. अदृश्यीकरण, पूर्वजन्म–स्मृति, वशीकरण ५२३
६९. दिव्य–दृष्टि अंजन, शतयोजन–गमन ५२३
७०. नजर उतारने के लिए ५२३
७१. परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए ५२४
७२. ज्वर नाश के लिए ५२५
७३. रोग दूर करने के लिए, उल्लू के पंखों से झाड़ा.. .... ५२५
७४. पुरुष वशीकरण के लिए ५२५
७५. अधिकारी वशीकरण के लिए ५२५
७६. किसी भी व्यक्ति का वशीकरण, मारण प्रयोग.... .... ५२५
७७. शत्रु की तत्काल मृत्यु ५२६
७८. शत्रु विनाश के लिए ५२६
७९. शत्रु के कार्य बिगाड़ने के लिए ५२६
८०. शत्रु की बुद्धि विनाश के लिए ५२७
८१. आय में वृद्धि के लिए, पदोन्नति के लिए ५२७
८२. बिक्री बढ़ाने के लिए ५२८
८३. व्यवसाय में सफलता के लिए ५२८
८४. बिक्री बढ़ाने का उपाय, उच्चपद की प्राप्ति के लिए ५२८
८५. नौकरी में तरक्की पाने के लिए ५२९
८६. यात्रा में थकान न हो, यात्रा में उल्ली–चक्कर न आएँ ५२९
८७. धन–धान्य की वृद्धि हेतु ५३०
८८. धन की सुरक्षा के लिए, सुख–शान्ति के लिए.... .... ५३०
८९. वशीकरण के लिए ५३१
९०. सम्मोहन के लिए ५३१
९१. समाज सम्मोहन तिलक ५३१
९२. शत्रु घर छोड़कर भाग जाए, शत्रु उच्चाटन प्रयोग ५३२
९३. दुश्मन की कोई चाल सफल न हो ५३२
९४. जुए में जीतने के लिए ५३२
९५. शत्रु को रोगग्रस्त करने के लिए ५३३
९६. शत्रु का कष्ट बढ़े, विद्वेषण के लिए ५३३
९७. दो पक्षों में वैर कराने के लिए ५३४
९८. उल्लू द्वारा मारण प्रयोग ५३४
९९. वशीकरण के लिए ५३४
१००. घर कीलने के लिए ५३५
१०१. शत्रु का हार्ट फेल हो ५३५
१०२. शत्रु के घर में कलह कराने के लिए ५३६

१०३. शत्रु के घर में सर्प दिखाई दें ५३६
१०४. शत्रु का अन्न खराब करने के लिए ५३६
१०५. प्रेत बाधा निवारण के लिए ५३७
१०६. घर पर कोई संकट न आए ५३७
१०७. कुछ अन्य प्रयोग ५३७
कौवा तन्त्र ५३८
१०८. कौवे की कहानी ५३८
१०९. कौवे का उपयोग ५३९
११०. कौवे की बोली ५३९
१११. कौवे को विभिन्न अवस्थाओं में लाने की विधियाँ ५४०
११२. कौवे से अन्य प्रकार की बोलियाँ बुलवाना ५४१
११३. कौवे की विभिन्न बोलियों से भविष्य ज्ञान ५४२
११४. कौवे का विभिन्न घड़ियों में बोलने का फल ५४२
११५. पहर के अनुसार कौवे के शब्द का फलाफल ५४५
११६. विभिन्न अवसरों पर कौवे की बोली का फल ५४६
११७. कौवे की छाया से शुभाशुभ का ज्ञान ५४७
११८. कौवे के स्पर्श का फल ५४७
११९. कौवे के शकुन और अशुकनों का वर्णन ५४८
१२०. कौवे द्वारा अन्य शुभाशुभ का ज्ञान ५५२
१२१. कौवे के सम्बन्ध में स्वप्न विचार ५५३
१२२. कौवे के सुनहरी पंख एवं बाल नाखूनों के गुण... .... ५५४
कौवे के तान्त्रिक प्रयोग ५५५
१२३. व्यापार प्राप्ति के लिए तन्त्र ५५५
१२४. नौकरी प्राप्ति के लिए तन्त्र ५५५
१२५. नौकरी में तरक्की प्राप्त करने के लिए तन्त्र ५५६
१२६. परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए तन्त्र ५५६
१२७. मुकद्दमे में विजय प्राप्त करने के लिए तन्त्र ५५६
१२८. सट्टे में लाभ प्राप्त करने के लिए तन्त्र ५५७
१२९. लाटरी या पहेली में लाभ प्राप्त करने के लिए तन्त्र ५५७
१३०. रेस में जीतने के लिए तन्त्र ५५७
१३१. जेब खाली न रहने का तन्त्र ५५७
१३२. राज-दरबार में सम्मान प्राप्ति के लिए तन्त्र ५५८
१३३. कठिन कार्य में सफलता प्राप्त करने के लिए तन्त्र ५५८
१३४. पशु के दूध अधिक देने का तन्त्र ५५८
१३५. घोड़े की चाल तेज करने का तन्त्र ५५९

१३६. फसल की रक्षा का तन्त्र	.....	....	५५९
१३७. उजड़े वृक्षों को फलदार करने का तन्त्र	.....	....	५५९
१३८. खट्टे आमों को मीठा करने का तन्त्र	.....	....	५६०
१३९. बिना ताली के ताला खोलने का तन्त्र	.....	....	५६०
१४०. इच्छानुसार वर्षा होने का तन्त्र	.....	....	५६०
१४१. वर्षा बन्द करने का तन्त्र	.....	....	५६१
१४२. यात्रा में थकावट न आने का तन्त्र	.....	....	५६१
१४३. प्यास न लगने के तन्त्र	.....	....	५६२
१४४. गहरी नींद आने का तन्त्र	.....	....	५६३
१४५. चलते कुएँ को बन्द करने का तन्त्र	.....	....	५६३
१४६. लोगों की दृष्टि से ओझल होने का तन्त्र	.....	....	५६३
१४७. खोये हुए बच्चे का पता लगाने का तन्त्र	.....	....	५६५
१४८. मनुष्य का कौवे की भाँति बोलने का तन्त्र	.....	....	५६५
१४९. अच्छी नस्ल के पशु प्राप्त करने का तन्त्र	.....	....	५६६
१५०. भूत प्रेत को दूर करने का तन्त्र	.....	....	५६७
१५१. जादू–टोने को दूर करने का तन्त्र	.....	....	५६८
१५२. चोर द्वारा चोरी न कर सकने का तन्त्र	.....	....	५६८
१५३. चोर द्वारा स्वयं चोरी बता देने का तन्त्र	.....	....	५६९
१५४. स्वप्न में गुप्त भेद जानने का तन्त्र	.....	....	५७०
१५५. मनुष्य के मन के गुप्त भेद को जानने का तन्त्र	....	....	५७०
१५६. पुरुष के मन के गुप्त भेद को जानने का तन्त्र	.....	....	५७०
१५७. स्त्री के मन के गुप्त भेद को जानने का तन्त्र	.....	....	५७०
१५८. गढ़े हुए धन की प्राप्ति का तन्त्र	.....	....	५७१
१५९. गढ़ा हुआ धन दिखाई देने का तन्त्र	.....	....	५७२
१६०. गुप्त खजाना दिखाई देने का तन्त्र	.....	....	५७२
१६१. वाक्–सिद्धि का तन्त्र	.....	....	५७२
१६२. एक विशेष प्रकार का तन्त्र	.....	....	५७२
१६३. शत्रु को परास्त करने का तन्त्र	.....	....	५७३
१६४. शत्रु के हृदय को परिवर्तित करने का तन्त्र	.....	....	५७४
१६५. शत्रु द्वारा मुकाबला न कर पाने का तन्त्र	.....	....	५७४
१६६. शत्रु को कष्ट पहुँचाने का तन्त्र	.....	....	५७४
१६७. शत्रु को बीमार करने का तन्त्र	.....	....	५७४
१६८. शत्रु को घर से भगाने का तन्त्र	.....	....	५७४
१६९. प्रतिद्वन्दी को नीचा दिखाने का मन्त्र	.....	....	५७५
१७०. दो प्रमियों में शत्रुता कराने का तन्त्र	.....	....	५७५

१७१. हाकिम को वश में करने का तन्त्र ५७५
१७२. पति-पत्नि में प्रेम वृद्धि के तन्त्र ५७६
१७३. स्त्री को वश में करने का तन्त्र ५७६
१७४. प्रेमिका वशीकरण तन्त्र ५७६
१७५. प्रेमी-वशीकरण मन्त्र ५७७
१७६. प्रेयसी को वश में करने का तन्त्र ५७७
१७७. प्रेमिका वशीकरण तन्त्र ५७८
१७८. रूठे हुए प्रेमी को पास बुलाने का तन्त्र ५७९
१७९. विरुद्ध प्रेमी को वश में करने का तन्त्र ५७९

पशु-पक्षी तन्त्र **५८१**

जंगली सूअर **५८१**

१८०. शत्रुओं को परास्त करने के लिए ५८१
१८१. वशीकरण के लिए ५८१
१८२. नपुंसकता निवारण, व्यापारिक समस्या ५८२
१८३. बुरे स्वप्न में, शत्रु उच्चाटन, आकर्षण के लिए... .... ५८२
१८४. आर्थिक समस्या निवारण ५८२
१८५. टोना निवारण, भूत-प्रेत निवारण ५८२
१८६. धन प्राप्ति के अचूक प्रयोग ५८३

कछुआ **५८३**

१८७. परिवार सुख के लिए, सर्वसिद्धिदायक प्रयोग..... .... ५८३
१८८. कर्ज निवारण के लिए ५८४
१८९. धन प्राप्ति के लिए, घरेलू कलह निवारण के लिए ५८४
१९०. शत्रु बाधा दूर करने के लिए ५८५

सियार या लोमड़ी **५८५**

सेई या शाही **५८५**

१९१. सम्मोहन के लिए ५८५
१९२. शत्रु बाधा के लिए, गर्भ स्तम्भन के लिए ५८६
१९३. वशीकरण, उच्चाटन ५८६
१९४. सिंह, हाथी, घोड़ा ५८६
१९५. कुत्ता, खच्चर, गधा ५८७
१९६. गीदड़, ऊँट, भेड़, बकरी, बिल्ली ५८८
१९७. मृग (हरिण) ५८९
१९८. खरगोश, गाय, लंगूर, मुर्गा ५८९

मयूर (मोर) **५८९**

१९९. लक्ष्मी प्राप्ति प्रयोग ५९०

२००. व्यापारिक उन्नति ५९०
२०१. गर्भ धारण ५९०
कबूतर **५९०**
२०२. तान्त्रिक प्रयोग ५९०
२०३. चमगादड़, बाज ५९१
२०४. मेंढक, अबाबील ५९१
२०५. गिद्ध ५९२
२०६. नेवला ५९२
२०७. भालू ५९३
२०८. सल्लू साँप (साल खपरी) ५९३
२०९. हुद-हुद ५९३
२१०. बगुला ५९४
२११. सर्प ५९४
२१२. छिपकली ५९४
२१३. टिटहरी ५९४

खण्ड-८ : मन्त्र-तन्त्र और रत्न रहस्य : रत्नों से रोगों की चिकित्सा सहित ५९५

मन्त्र-तन्त्र

१. साधना से पूर्व ५९७
आराधना, योग्यता, निरन्तर प्रयास ५९७
समान श्रद्धा, मनमाना मिश्रण ५९७
सम्प्रदाय, मर्यादा ५९८
२. पूजा के उपकरण ५९८
३. तन्त्र शब्दावली ५९९
४. तान्त्रिक प्रयोग ६०१
दिव्य दृष्टि, छाया विहीन ६०१
प्रस्वापन मन्त्र, द्वार खोलने का मन्त्र ६०२
गाड़ी मँगाने का तन्त्र, ताला तोड़ने तथा सुला देने का मन्त्र ६०३
नाक मुँह बन्द, कीलन, मृत्यु योग ६०३
अन्नपूर्णा योग, सर्वफल योग, प्रयोग का उत्कीलन ६०३
रोग निवारण ६०४
५. अद्‌भुत प्रयोग ६०४
भूख न लगना ६०४
रूप परिवर्तन, वर्ण परिवर्तन, विचित्र अग्नि, उल्का ६०५
मुँह से आग, अंगारों पर चलना ६०६

अग्नि न जले, लौहभंग, थकावट नहीं ६०६
६. दैवी विपत्तियाँ ६०७
आग से रक्षा, पानी से रक्षा, बीमारी से रक्षा ६०७
दुर्भिक्ष से रक्षा, चूहों से रक्षा, व्याघ्र से रक्षा ६०७
साँप से रक्षा, राक्षसों से रक्षा ६०८
७. पराघात प्रयोग ६०८
भयंकर विष, अग्नि प्रयोग ६०८
अन्धा धुआँ, मृत्यु गैस, जहरीला अंजन ६०९
पागल रस, उन्माद रस, कोढ़ ६०९
कोढ़ हेतु (१), कोढ़ हेतु (२), शत्रु स्तम्भन ६१०
विनाश हेतु, प्रमेह—क्षय रोग, हैजा, ज्वर ६१०
मूक बधिर, विचित्र विष बाण, दन्त विष.. .... ६१०
विषाक्त जल, मृत्यु योग, सतत् अग्नि, मृतक परीक्षण ६११
फाँसी, गला घोंट कर मृत्यु, जल मृत्यु, प्रहार से मृत्यु ६११
जहर से मृत्यु, विष मृत्यु, पूछताछ ६१२
आत्महत्या, खोज, संस्कार ६१२
अनुसन्धान, दण्ड ६१३
८. तान्त्रिक वनस्पतियाँ ६१४
स्वर्ण ६१४
सोने की परख ६१७
९. भैरवी रूप ६१७
विवाह के प्रकार ६१७
स्त्री का धन, अवस्था ६१८
नियम, अधिकार ६१९
बँटवारा, पुत्र ६२०
कुवाँरी कन्या ६२१
१०. मदिरा तन्त्र ६२२
११. पहचान के संकेत ६२४
अपराधी की पहचान, चोरी का माल ६२४
चोर की पहचान, विषाक्त पदार्थों की पहचान ६२५
विष देने वाला कौन? ६२६
१२. साधना में सफलता के संकेत सूत्र ६२६
साधु स्वभाव का विकास ६२८
गुप्त षड्यन्त्रकारियों से रक्षा ६२९
१३. प्राकृतिक गुण ६३०

लाभ विघ्न ६३०
विपत्तियाँ ६३१

रत्न रहस्य

१. रत्न रहस्य **६३२**
मोती, मणि ६३२
वैदूर्य मणि, नीलम, स्फटिक मणि, हीरा, मूँगा ६३३
चन्दन, अगर, चमड़ा ६३४
वस्त्र ६३५
धातु, सोने की खान, शिलाजीत ६३६
धातु की खान ६३७
२. दैवज्ञ और रत्न **६३७**
दैवज्ञ की दृष्टि में रत्नों का महत्व ६३७
ग्रहों की राशि कक्षा में रत्न, सौर मण्डल का प्रभावी क्षेत्र ६३८
३. रत्नों से ग्रह का सम्बन्ध **६३९**
रत्नों का प्रभाव ६३९
ग्रहों के रत्न ६४०
प्रमुख धातु, परस्पर मित्र व शत्रु रत्न ६४१
अंग्रेजी जन्म महीने के आधार पर धारण करने योग्य रत्न ६४२
भारतीय जन्म राशि के आधार पर धारण करने योग्य रत्न ६४३
पाश्चात्य मत से जन्म राशि के आधार पर धारण करने योग्य रत्न ६४३
पाश्चात्य मत से सूर्य राशि के आधार पर धारण योग्य रत्न ६४४
पाश्चात्य मतानुसार विभिन्न ग्रहों के विभिन्न धारणीय रत्न एवं धातु ६४५
४. रत्न धारण विधि **६४६**
माणिक्य धारण करने की विधि ६४६
मोती रत्न को धारण करने की विधि ६४६
मंगल रत्न 'प्रवाल' मूंगा की धारण विधि. ६४७
बुध रत्न 'पन्ना' की धारण विधि ६४७
गुरू रत्न 'पुखराज' की धारण विधि ६४८
शुक्र रत्न 'हीरा' की धारण विधि ६४८
शनि रत्न 'नीलम' की धारण विधि ६४९
राहु रत्न 'गोमेद' की धारण विधि ६४९
केतु रत्न वैदूर्य (लहसुनिया) की धारण विधि ६४९
५. रत्नों की उत्पत्ति के सम्बन्ध में **६५०**
पद्मराग माणिक्य, मरकत पन्ना, इन्दु (नील), वैदूर्य (लहसुनिया) ६५०

पुष्पराग पुखराज, वैक्रान्त (कर्केतन), गोमेद (भीष्म रत्न) ६५१
लाजवर्तादि पुलकादि, अकीक (रुधिराक्ष) ६५१
मूँगा (प्रवाल-विद्रुम), स्फटिक (मणि) ६५१
८४ प्रकार के उपरत्न ६५२

६. विभिन्न रत्न ६५४

भारतीय उपरत्न ६५५
रत्नों की पहचान ६५६
उन्नतीस मोहरे, बनावटी रत्न, गढ़े हुए रत्न ६५७
संश्लिष्ट रत्न, स्वर्गलोक की मणियों के सन्दर्भ में ६५८
पाताल लोक की सर्पमणियाँ ६५९
पृथ्वीलोक के रत्न ६६०
माणिक्य रत्न ६६१
सूर्यमणि ६६२
प्रकारान्तर से माणिक्य रत्न के सन्दर्भ में ६६३
सबसे अच्छे माणिक्य की पहचान ६६४
माणिक्य का उपरत्न लालड़ी ६६५
माणिक्य के अन्य उपरत्न, मोती रत्न ६६६
मोती के प्रकार ६६७
मोती का उपयोग ६६८
हकीक रत्न, सुलेमानी पत्थर ६६९
अलेमानी पत्थर, जजेमानी पत्थर, मूँगा रत्न ६६९
पन्ना रत्न, पन्ना का उपयोग, पुखराज रत्न ६७०
हीरा रत्न ६७१
नीलम रत्न, गोमेद रत्न ६७२
लहसुनिया, लहसुनिया का उपयोग ६७३

७. रत्नों का प्रभाव कब तक ६७४

सूर्यरत्न माणिक्य, चन्द्र रत्न मोती, मंगल रत्न मूँगा ६७४
बुध रत्न पन्ना, बृहस्पति रत्न पुखराज, शुक्र रत्न हीरा ६७४
शनि रत्न नीलम, राहु रत्न गोमेद, केतु रत्न लहसुनिया ६७४
दोषी रत्नों से भी शुभफल ६७५

८. शुद्ध रत्नों के अभाव में ६७६

उपरत्न, संग एवं मोहरे, सूर्य उपरत्न लालड़ी ६७६
चन्द्र उपरत्न शंखमुक्तादि ६७६
मंगल उपरत्न विद्रुममूल, बुद्ध उपरत्न पन्ने के संग ६७६
गुरु उपरत्न पुखराज के संग, शुक्र उपरत्न हीरे के संग ६७७

शनि उपरत्न नीलम के संग, राहु उपरत्न गोमेद के संग ६७७
केतु उपरत्न लहसुनिया के संग ६७८
लालड़ी मणि, सफेद पुखराज मणि ६७८
घृतमणिया जबरजद्ध, तेलमणि या उदउक, भीष्मक या अमृतमणि ६७९
ओपल मणि या उपलक, स्फटिक मणि ६८०
पारस मणि, उलूक मणि ६८१
लाजावर्त या वर्तकमणि, मासर मणि या एमनी, भीष्मक मणि. ६८२

९. रत्नों से विविध रोगों की चिकित्सा ६८३

शीतज्वर, ज्योतिषीय सिद्धान्त, सिरदर्द, मुँहासे ६८३
मसूड़ों में क्षय, दुर्घटना तथा मोच, कंठ शूल ६८४
गलसुआ, रक्ताल्पता (एनीमिया), अपेण्डिसाइटिस, पथरी ६८५
एलर्जी, एक्जीमा, जलन ६८६
शिराशोथ, पोलियो, फोड़ा ६८७
उपदंश, नजला-जुकाम, पाद-दोष, आन्त्रशोथ, नेत्रशोथ ६८८
उच्च रक्तचाप, पक्षाघात, सूर्याघात (लू लगना) ६८९
इनफ्लूएंजा, निमोनिया, हिस्टीरिया, हर्निया ६९०
दाँत दर्द या दन्त क्षय, यकृत शोथ ६९१
मधुमेह, त्वचा शोथ (डर्मेटाइटिस) ६९१
अतिसार, मुँह में छाले, सर्दी-जुकाम, वर्णांधता ६९२
कब्ज, ऐंठन-मरोड़ (क्रैम्प), हृदय रोग ६९३
परागज ज्वर, एड्स, सबलबाय, मलेरिया. ६९४
गठिया, नपुंसकता, अनिद्रा ६९५
कैंसर, रक्त कैंसर, पेप्टिक अल्सर ६९६
टायफाइड, पीलिया, मस्तिष्क ज्वर ६९७
तपेदिक, ग्रन्थिल ज्वर, आधे सिर में दर्द, दमा ६९८
मायोपिया, कुकर खाँसी, ब्रेन ट्यूमर, सफेद दाग ६९९
घेंघा, गैंगरीन, शीत दंश ७००
मिरगी, अन्धापन, कमर दर्द, गंजापन, बवासीर ७०१
स्मृति दोष, स्वर भंग (आवाज फटना) ७०२
मोतियाबिन्द, चिकन पॉक्स ७०२
प्रमस्तिष्कीय रक्तस्राव, मस्तिष्क विकार, हैजा ७०३

१०. सुखी जीवन के लिए मन्त्र ७०४

गणपित साधना ७०५
श्री दुर्गा सूक्त ७०६

नवग्रह मन्त्र ७०७
फलदायी यन्त्र और उनके प्रयोग ७०८
नवग्रह यन्त्र ७१८
धनदा यन्त्र, संकल्प सिद्धि, भाग्योदय, रोग निवारण यंत्र ७१९
मृत्युभय निवारण यंत्र, लक्ष्मी यंत्र ७२१
सर्वकार्य सिद्धि हेतु यन्त्र ७२२
सर्वजन वशीकरण यन्त्र ७२३
स्त्री–पुरुष वशीकरण यन्त्र ७२४
खोये हुए मनुष्य का पता लगाने का यन्त्र ७२४
लोक प्रियता हेतु, जादूटोना समाप्त हो, नजर दूर करने का यन्त्र ७२५
धन प्राप्ति, मित्रता हेतु, विजय हेतु यन्त्र ७२६
सुरक्षा हेतु, आकर्षण हेतु, भूत भगाने का यन्त्र ७२७
कैदी आजाद हो, कलह हेतु यन्त्र ७२८
धन प्राप्ति हेतु, सर्वकार्य सिद्ध हो यन्त्र ७२९
बुद्धि विद्या देने वाला, व्यापार वृद्धि हेतु यन्त्र..... .... ७३०
सर्वकार्य सिद्धि हेतु, कवित्व शक्ति हेतु यन्त्र ७३१
आकर्षण शक्ति हेतु, अकालदमन हेतु, कलासिद्धि यन्त्र ७३२
दरिद्रता विनाश, रात्रि भय निवारण यन्त्र ७३३
आँख, नाक, कान, रोग निवारण, सर्वमोहन, पुरुष सम्मोहन यन्त्र ७३४
वाणी सिद्धि, ग्रहदोष निवारण यन्त्र ७३५
ताबीज ७३६

खण्ड-९ : स्वरसिद्धि और नाड़ी ज्ञान ७३९

शिव स्वरोदय

मंगलाचरणम्

१. मंगलाचरणम् ७४१
२. शंकरजी से पार्वती जी का श्रेष्ठ ज्ञान और ब्रह्माण्ड की स्थिति आदि के विषय में प्रश्न ७४१
३. शंकरजी का पार्वती जी को उत्तर ७४१
४. तत्त्वों के विषय में पार्वती जी का प्रश्न ७४१
५. शिवजी का उत्तर ७४२
६. पंचतत्त्वों से ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति ७४२
७. स्वर माहात्मय का कथन ७४२

शिष्यलक्षणम्

८. सत् शिष्य का लक्षण ७४२

९. असत् शिष्य का लक्षण ७४३
१०. स्वर महात्म्य वर्णन ७४३
११. नाड़ियों की संख्या का वर्णन ७४४
१२. नाड़ियों की स्थिति एवं उनकी उत्तमता आदि का वर्णन ७४४
१३. नाड़ियों के भेदों का वर्णन ७४५
१४. नाड़ियों के शरीर में स्थान ७४५
१५. वायुओं के स्थान एवं भेदों का वर्णन ७४६
१६. नाड़ियों में सूर्य, चन्द्र आदि की स्थिति ७४७
१७. नाड़ियों के अभ्यास से त्रिकाल ज्ञान ७४७
१८. नाड़ियों का कार्य ७४८
१९. दुष्ट और शुभ नाड़ियों का वर्णन ७४८
२०. स्वरों के उदय का समय ७४८
२१. स्वर के प्रवाह को अनुकूल रखने से योग सिद्धि ७४९
२२. विशिष्ट दिनों में स्वरों के प्रवाह में विशेष सिद्धि. ७४९
२३. तत्त्वों का स्वरों में उदय ७४९
२४. चन्द्र स्वर की राशियाँ ७४९
२५. सूर्य स्वर की राशियाँ ७४९
२६. स्वर भेद से गमनागमन निषेध ७५०
२७. स्वर प्रवाह में कार्यों की शुभाशुभता ७५०

विपरीत स्वर प्रकरणम्

२८. विपरीत स्वरों का फल ७५०
२९. स्वर प्रवाह के अनुसार कार्यों की सिद्धि और असिद्धि ७५०
३०. पूर्ण स्वरों के प्रवाह में कार्यों की अनिष्टता ७५२

इड़ा नाड़ी फलम्

३१. इडा नाड़ी का फल ७५३

पिंगला नाड़ी फलम्

३२. पिंगला नाड़ी का फल ७५४

सुषुम्ना नाड़ी लक्षणम्

३३. सुषुम्ना नाड़ी का फल ७५५
३४. सन्ध्या वर्णन ७५७
३५. वेद वर्णन ७५७
३६. सन्धि वर्णन ७५७
३७. देवी का रहस्य के विषय में प्रश्न ७५७
३८. शिवजी का देवी को उत्तर ७५८
३९. तत्त्वों की महत्ता ७५८

४०. तत्त्वों के नाम ७५८

तत्त्व ज्ञानम्

४१. आठ प्रकार का तत्त्व ज्ञान ७५८

४२. षण्मुखी मुद्रा का वर्णन ७५८

४३. उक्त मुद्रा से तत्त्वों के रूप का ज्ञान ७५९

४४. तत्त्वों का स्वरूप जानने की दूसरी रीति ७५९

४५. तत्त्वों के लक्षण ७५९

४६. स्थानों से तत्त्व ज्ञान ७५९

स्वाद से तत्त्वज्ञान

४७. स्वाद से तत्त्व ज्ञान ७५९

स्वर गति से तत्त्वज्ञान

४८. गति से तत्त्वों का ज्ञान ७६०

४९. तत्त्वों के भेद से कार्यों के भेद ७६०

५०. विभिन्न तत्त्वों से युक्त स्वरों के स्वरूप का वर्णन ७६०

५१. तत्त्वों के स्वरूप और कार्यों का वर्णन ७६१

५२. तत्त्वों की शुभाशुभता ७६१

५३. तत्त्वों का दिशाओं में स्थान ७६२

५४. स्वर में तत्त्वोदय से शुभाशुभ फल वर्णन ७६२

स्वर और प्रश्न

५५. तत्त्वों में ग्रहों का स्थान ७६३

५६. ग्रहों के अनुसार यात्रा विषयक प्रश्नों के शुभाशुभ फल ७६३

शरीर उत्पत्ति

५७. शरीर के उत्पत्ति का वर्णन ७६४

५८. पृथ्वी आदि तत्त्वों के गुणों का वर्णन ७६४

५९. पृथ्वी आदि तत्त्वों के विभिन्न नक्षत्र ७६५

६०. तत्त्वों की प्रबलता का वर्णन ७६५

६१. लं, वं, रं, यं, हं बीजों से पृथ्वी आदि पाँचों तत्त्वों के ध्यान का प्रकार ७६६

६२. त्रिकाल ज्ञान के बारे में देवी का प्रश्न ७६६

६३. शिवजी का उत्तर ७६६

६४. देवी का वायु, प्राण, देह आदि के बारे में प्रश्न पूछना ७६६

६५. शंकर जी का उत्तर ७६७

६६. वायु के गति का वर्णन ७६७

६७. स्वरों के प्रवाह और तत्त्वों के उदय के अनुसार कार्यों की सिद्धि या असिद्धि ७६८

६८. जीव स्वर में कर्तव्य कार्य ७६८

६९. युद्ध के लिए प्रस्थान करने के समय के शुभाशुभ कार्य ७६९

आघात निर्णय
७०. युद्ध के समय में स्वरों का फल ७७०
वशीकरण प्रकरणम्
७१. स्वरों के द्वारा स्त्री वशीकरण ७७३
गर्भ प्रकरणम्
७२. गर्भधारण का निर्णय ७७५
संवत्सर प्रकरणम्
७३. संवत्सर का शुभाशुभ फल ७७६
रोग प्रकरणम्
७४. रोग, निरोग विचार ७७८
काल प्रकरणम्
७५. स्वर से मृत्यु परीक्षा ७७९
दूत प्रकरणम्
७६. दूत द्वारा प्रश्न के समय स्वर से रोगी का ज्ञान ७८१
छाया दर्शन प्रकरणम्
७७. छाया दर्शन से आयु विचार ७८३
प्राणायाम प्रकरणम्
७८. प्राणायाम विधि ७८५
७९. षण्मुखी करण ७८५
स्वरयोगी महिमा प्रकरणम्
८०. स्वरज्ञान युक्त योगी को शिवसायुज्य की प्राप्ति... .... ७८६
८१. स्वरज्ञान का महत्त्व ७८६
८२. ब्रह्मज्ञान का उपाय ७८६

ज्ञानस्वरोदय

१. स्वर महिमा ७८८
२. नाड़ी ज्ञान ७८९
३. पक्ष, तिथि एवं वार विचार ७८९
४. सूर्य स्वर, चन्द्र स्वर ज्ञान ७८९
५. राशि, घड़ी व तत्व विचार ७९०
६. पृच्छक द्वारा रोग प्रश्न ७९१
७. तत्व ज्ञान से वर्षा विचार ७९२
८. स्वर से राजा-प्रजा विचार ७९२
९. सांसारिक व्यवहार विचार ७९३
१०. परदेश-गमन विचार ७९४
११. निद्रा, भोजन व जल पीने का विचार ७९४

१२. स्वर चलने से आयु विचार ७९५
१३. युद्ध के लिए गमन विचार ७९७
१४. गर्भ प्रश्न विचार ७९८
१५. मृत्यु विचार ७९८
१६. पाँच इन्द्रियों और रंगों से विचार ७९९
१७. योग विद्या और स्वर शास्त्र ८००
१८. स्वाद से तत्व ज्ञान ८०३
१९. श्वास परिक्रमण ८०३

पवन स्वरोदय

१. नाड़ी और तत्व ८०६
२. श्वास और दिशा ८०६
३. स्वर में मास, पक्ष और वार ८०७
४. स्वर में नये वस्त्र, विद्या और नींव ८०८
५. स्वर में मन्त्र-तन्त्र, वर्षा और आंधी ८०९
६. स्वर में तत्व, रंग और वार ८१०
७. स्वर और प्रश्नकर्ता ८११
८. स्वर और मृत्यु विचार ८१३
९. योग से स्वर सिद्धि ८१४

तत्त्व स्वरोदय

१. संक्रान्ति लग्न ८१६
२. वार विचार ८१६
३. चन्द्रमा फल (स्थिर) का विचार ८१६
४. सूर्य फल ८१६
५. मंदाग्नि का विचार ८१६
६. युद्ध का विचार ८१६
७. देश भेद ८१७
८. गमन भेद ८१७
९. नाड़ी के चार लक्षण ८१७
१०. पाँच तत्त्व का विचार ८१७
११. गर्भ विचार ८१७
१२. गर्भ तत्त्व भेद ८१७
१३. गर्भ प्रश्न ८१७
१४. काल जानने का विचार ८१८
१५. देश विचार ८१८

१६. काल बचावे का विचार ८१८
१७. रोग प्रमाण ८१८
१८. तत्त्व न मिले का विचार ८१८

खण्ड-१० : पेड़ पौधों के तान्त्रिक प्रयोग और उनके चमत्कारी प्रभाव **८१९**

१. पीपल ८२१
२. माणी निर्माण ८२२
३. बेल वृक्ष और सूर्य ग्रह ८२२
४. क्षीरनी और चन्द्र ग्रह ८२४
५. नागदमनी और मंगल ग्रह ८२५
६. विधारा और बुध ग्रह ८२६
७. भारंगी और बृहस्पति ग्रह ८२७
८. मंजिष्ठा और शुक्र ग्रह ८२८
९. अम्लवेत और शनि ग्रह ८२९
१०. मलयज (चन्दन) और राहु ग्रह ८३०
११. अश्वगंधा और केतु ग्रह ८३२
१२. दूषित ग्रहों का प्रभाव नष्ट करना ८३३
१३. सूतिका गृह में तान्त्रिक बूटियों का प्रभाव ८३४
१४. रंगों का शरीर पर प्रभाव ८३४
१५. रंगो में विरोध होने से रंगीन रत्नों के दोष ८३६
१६. आत्मा (स्वरूप, परिणाम, भार, लम्बाई, चौड़ाई)
चित्त का आकार तथा तान्त्रिक प्रभाव ८३६
१७. मातंगी यन्त्र (तान्त्रिक विधान) ८३८
१८. धूमावती यन्त्र (तान्त्रिक विधान) ८३९
१९. जड़ी-बूटी चमत्कार ८४०
२०. गुड़मार बूटी ८४०
२१. पाठा (जलजमनी) ८४०
२२. ओंगा (चिरचिटा) ८४०
२३. विशल्यकरणी (कलिहारी) ८४१
२४. काकजंघा ८४१
२५. दमा की अद्‌भुत औषधि (रसाज) ८४१
२६. हिगोट ८४१
२७. बकुम्बर ८४१
२८. दुधी लाल ८४२
२९. पुत्रेष्टि यज्ञ का तान्त्रिक विधान ८४२

३०. गर्भ स्थापना के बाद ८४४
३१. माता–पिता बिल्कुल काले हों तो ८४४
३२. दिव्य तन्त्र ८४५
३३. करामाती अँगूठी तथा दर्पण ८४५
३४. अद्भुत तन्त्र (स्तनहीनता) ८४५
३५. लिंग वाकराकारी तन्त्र ८४५
३६. बैंगन ८४५
३७. वीर वहूटी ८४६
३८. कौंच ८४६
३९. कार्स मर्द (कसौंदी) ८४६
४०. स्तम्भन तन्त्र ८४६
४१. ऊँट की हड्डी ८४६
४२. दुमुही सर्प ८४६
४३. मेंढक पारद की गोली ८४७
४४. निर्गुण्डी ८४७
४५. नजर (सूअर के दाँत का प्रयोग) ८४७
४६. तत्वों की पहचान तथा ग्रह, चक्र, नक्षत्र और रोग तथा उपचार ८४७
४७. आत्मशुद्धि का तान्त्रिक विधान ८४९
४८. सर्वोपरि यन्त्र ८५०
४९. अरबी यन्त्र ८५०
५०. व्याधिनाशक तन्त्र प्रयोग ८५०
५१. ज्वर नाशार्थ ८५०
५२. मृगी रोग के लिए ८५१
५३. वरुण वृक्ष (बरना) ८५१
५४. बिलाव के नख, सिंह के नख ८५१
५५. लाजवन्ती ८५१
५६. सहदेवी ८५१
५७. झिझोरा ८५२
५८. उल्टा बालक या तान्त्रिक शिशु ८५२
५९. लावण ८५२
६०. धतूरा ८५२
६१. जलकुम्भी ८५२
६२. काकलहरी ८५२
६३. अश्वभेदी ८५३
६४. आक ८५३

६५. नजर लगने में ८५३
६६. मकोय ८५३
६७. भगरा (घमरा) ८५३
६८. गुँजा ८५३
६९. हुलहुल ८५३
७०. इन्द्रायण ८५३
७१. कटहली (अपराजिता, गिरीकर्णी) ८५४
७२. सिर दर्द ८५४
७३. साँप का भगाना ८५४
७४. स्त्री वशीकरण ८५४
७५. श्वेत खरैंटी ८५४
७६. स्तन कठोर, स्थिर करे, स्तनहीनता ८५४
७७. मौरैठी (मधुक, गुल दुपहरी) ८५४
७८. षडबिन्दु तेल (चक्रदत्त) नस्य ८५४
७९. वृहत्जिवकाद्यं नस्यम ८५५
८०. अगद तन्त्र ८५५
८१. अगद पताका तन्त्र ८५५
८२. प्रक्षेप अस्त्र का प्रदूषण विष अगद तन्त्र ८५५
८३. मेंहदी ८५६
८४. काले घोड़े की पैरों की पगतली (नाल) ८५६
८५. मृत्वत्सा तन्त्र-यन्त्र-मन्त्र ८५६
८६. सूतिका गृह में बालक के ग्रह, ज्वरादि का तान्त्रिक योग ८५६
८७. मातृकाओं का प्रक्षेप और बलि ८५७
८८. बूटियों का तान्त्रिक प्रभाव ८५९
८९. स्तम्भन (गाय का सींग) ८६०
९०. बैल के सींग का अंकुर (बवासीर, आतशक) ८६०
९१. बैल के पेशाब का तान्त्रिक प्रयोग ८६०
९२. चेचक का फूला (आंख का तान्त्रिक प्रयोग) ८६०
९३. आँख के पानी का तान्त्रिक योग ८६०
९४. कान के मैल का तान्त्रिक योग ८६०
९५. मृगचिड़ा का तान्त्रिक योग ८६०
९६. कौऐ की बींट ८६०
९७. विजोरा नींबू ८६१
९८. शुक्र स्तम्भन योग ८६१
९९. बालक का दाँत (तान्त्रिक प्रयोग) ८६१

१००. कुत्ते की हड्डी (मृगी रोग) ८६१
१०१. हाथी दाँत (तांत्रिक प्रयोग) ८६१
१०२. जूँ (तान्त्रिक योग) ८६१
१०३. करेले की जड़ और केले की जड़ ८६१
१०४. गंवारा (गँवार) ८६१
१०५. गम्भारी (तान्त्रिक प्रयोग) ८६१
१०६. ततैये का विष ८६१
१०७. साँप का विष दूर करना ८६२
१०८. बाल सफेद करना ८६२
१०९. बाल काले करना ८६२
११०. स्तम्भन ८६२
१११. पदार्थों की लाग (कला) ८६२
११२. बाँदा (बन्दा) ८६३
११३. पलाश का बान्दा ८६३
११४. बेर, अनार, कीकर का बान्दा ८६३
११५. ल्हिसोड़ा ८६३
११६. लक्ष्मी प्राप्ति के लिए आम का बान्दा ८६३
११७. पीपल का बान्दा ८६४
११८. पलाश का बान्दा ८६४
११९. दत्तात्रेय तन्त्र ८६४
१२०. खंडीकरण यन्त्र ८६४
१२१. खंडीकरण विधान ८६५
१२२. रंग परिवर्तन ८६५
१२३. अग्नि स्तम्भन ८६५
१२४. दिन में तारे ८६५
१२५. तिलस्मात ८६६
१२६. तिलस्म (शुक्र स्तम्भन) ८६६
१२७. शुक्र स्तम्भन ८६६
१२८. हाजरात ८६६
१२९. उदय भास्कर तन्त्र योग ८६६
१३०. नींबू ८६६
१३१. दुधारु पशु गाय, भैंस, बकरी की नजर ८६७
१३२. गर्भाधान के लिए ८६७
१३३. मरीज पर दवाई निष्फल हो तो ८६८
१३४. पशु रोग का झाड़ा ८६८

१३५. कृतिका निकालना (गड़त) ८६८
१३६. ज्वर नाशार्थ मेंढक तन्त्र ८६९
१३७. कृत्या (घायल) वापिस करना ८६९
१३८. नवग्रह यन्त्र ८७०
१३९. सर्व ग्रहों का एक ही मन्त्र, एक ही यन्त्र ८७०

खण्ड-११ : दुर्भाग्यनाशक टोटके और उपाय अर्थात् दूर करें दुर्भाग्य ८७३

१. सर्वोपकारी सूर्य ८७५
२. गायत्री प्रार्थना ८८१
३. श्री राम, जय राम, जय जय राम—एक तारक मंत्र ८८५
४. स्वर योग और दुर्भाग्य ८८९
५. सूर्य स्वर ८९१
६. चन्द्र स्वर ८९१
७. शून्य स्वर ८९२
८. स्वर के बहाव का समय ८९२
९. स्वर प्रवाह अनुकूल करना ८९२
१०. स्वर से दूर करें दुर्भाग्य ८९३
११. शुभ और अशुभ दिन ८९४
१२. जीवन के गुप्त चक्र ९००
१३. मायावी वर्ग ९०६
१४. रत्नों से दूर करें दुर्भाग्य ९१३
१५. वास्तु ज्योतिष में विभिन्न रंग ९१९
१६. दुर्भाग्यनाशक टोटके और उपाय अर्थात् तान्त्रिक प्रयोगों द्वारा दूर करें दुर्भाग्य ९२४
(प्रयोग नं. १ से प्रयोग नं. २१ तक)

खण्ड-१२ : रहस्यमयी प्राचीन तन्त्र विद्याएँ ९४५

परिचय खण्ड-१ .... ९४७
१. विषयोद्भव, ... ९४७
२. मन्त्र-भेद ९४९
३. साधना से पहले ९५०
४. साधना के बाद ९५३
५. साधना विधान ९५४
६. मन्त्र रहस्य और देवता ९५६
७. साधना के साधन ९५८

परिचय खण्ड-२	......	.....	**१६०**
८. मन्त्रशक्ति की रक्षा	.....	....	१६०
९. यम नियम और प्राणायाम का महत्त्व	.....	....	१६२
१०. व्याहृतियाँ और बीज मन्त्र	.....	....	१६३
११. साधना संवर्ग और देव विभाग	.....	....	१६५
१२. एकोदेवो शिवो वा वासुदेवो वा	.....	....	१६५
साधना-खण्ड-१	......	.....	**१६७**
१३. गुरु साधना	.....	....	१६७
१४. गणपति साधना	.....	....	१६८
१५. नवग्रह साधना	.....	....	१७०
१६. स्वप्न साधना	.....	....	१७२
१७. भूमि-भवन साधना	.....	....	१७३
साधना-खण्ड-२	......	.....	**१७४**
१८. अनिवार्यतः पूज्य देव संवर्ग	.....	....	१७४
१९. रक्षा उपाय	.....	....	१७७
साधना-खण्ड-३	......	.....	**१७९**
२०. योगिनी साधना	.....	....	१७९
संकटा, पिंगला, मंगला, उल्का, भ्रामरी साधना		....	१८०
भद्रिका, सिद्धा साधना, साधक योगिनियाँ.		....	१८१
कामेश्वरी, मोहिनी, मधुमती, नटी साधना		....	१८२
२१. यक्षिणी साधना	.....	....	१८३
२२. यक्ष साधना	.....	....	१८५
२३. गन्धर्व साधना	.....	....	१८७
२४. विद्याधर साधना	.....	....	१८९
२५. किन्नरी साधना	.....	....	१९०
२६. नाग एवं नागिनी साधना	.....	....	१९१
२७. अप्सरा साधना	.....	....	१९२
२८. कतिपय उग्र साधनाएँ	.....	....	१९४
प्रेत साधना	.....	....	१९४
पिशाच साधना	.....	....	१९५
बेताल साधना	.....	....	१९६
ब्रह्मराक्षस साधना	.....	....	१९६
शव साधना	.....	....	१९७
मरघट साधना	.....	....	१९८
श्मशान साधना	.....	....	१९८

राक्षस साधना ९९९
वीर साधना १०००
गण साधना १००१
चाण्डाल साधना १००१
मरी साधना १००२
फेत्कारिणी साधना १००३
दैत्य साधना १००३
कंकाल साधना १००४
कपाल साधना १००५
मृगेन्द्र साधना १००६
भूत साधना १००६
मर्कट साधना १००७

खण्ड-१३ : स्वप्नों से भविष्यफल का ज्ञान १००९

१. स्वप्न क्या और कैसे १०११
२. स्वप्न के भेद १०११
अद्‌भुत प्रकार के स्वप्न १०११
भविष्य सूचक स्वप्न १०१२
यथार्थ जीवन के स्वप्न १०१२
शरीर की प्रकृति के अनुसार स्वप्नों का प्रकार १०१३
स्वप्न फल का समय १०१३
स्वप्न में दिखाई देनेवाली कुछ शुभ बातें.. .... १०१३
स्वप्न में दिखाई देनेवाली कुछ अशुभ बातें १०१३
शुभ या अशुभ स्वप्न के बाद १०१४
स्वप्न द्वारा भविष्य का पता लगाना १०१४
मनोविज्ञान और स्वप्न १०१४
योग और स्वप्न १०१५
३. मिश्रित स्वप्न फल विचार १०१५
४. प्रणय सम्बन्धी स्वप्न फल विचार १०२२
५. अशुभ स्वप्न फल विचार १०२६
६. शुभ स्वप्न फल विचार १०२९
७. मृत्युसूचक स्वप्न फल विचार १०३२
८. कष्टदायक स्वप्न फल विचार १०३३
९. कुछ अन्य स्वप्न फल विचार १०३४

खण्ड-१४ : भारतीय ज्योतिष में ग्रह नक्षत्र और राशियों से सम्बन्धित ज्ञान १०३७

१. ज्योतिष क्या है १०३९
२. ज्योतिष का इतिहास १०३९
३. ज्योतिष का विस्तार १०४०
४. गणित १०४०
५. होरा १०४०
६. संहिता १०४०
७. आकाश परिचय और हमारा सौरमण्डल १०४१
८. सौर मण्डल की उत्पत्ति के विषय में ब्रह्म पुराण में लिखा है १०४१
९. काल विभाजन १०४२
१० पंचांग क्या है १०४४
११. वार तथा तिथि १०४४
१२. होरा ज्ञान १०४४
१३. तिथि १०४७
१४. तिथियों की संज्ञा १०४८
१५. सिद्धा तिथियाँ १०४९
१६. सम्वतसर १०४९
१७. युग १०५१
१८. अयन १०५२
१९. ऋतु १०५२
२०. सौर मास १०५३
२१. पक्ष, तिथि १०५३
२२. वार, योग १०५४
२३. करण १०५५
२४. राशि परिचय १०५७
२५. ग्रह परिचय १०५८
२६. ग्रह गुणधर्म सारिणी, ग्रहों के भेद १०६२
२७. ग्रहों के बल १०६३
२८. पंचधा मैत्री (मैत्री चक्र तालिका में) १०६३
२९. जन्म कुण्डली परिचय १०६६
३०. षोडश वर्ग १०६७
३१. कुण्डली के बारह भाव १०६८
३२. विभिन्न भावों में सूर्य चन्द्रादि ग्रह फल १०६९
३३. राशिफल १०७४

३४. नक्षत्र परिचय १०७८
३५. नक्षत्र सारिणी १०७९
३६. ज्योतिष के कुछ प्रसिद्ध योग १०८१
३७. ज्योतिष के कुछ प्रसिद्ध अरिष्ट अर्थात् दुर्योग १०८६
३८. रोगप्रदत्त योग १०८७
३९. अल्पायु योग १०८७
४०. दो अथवा अधिक ग्रहों की युति १०८८
४१. शुभाशुभ के परिणाम कब मिलते हैं १०८८
४२. विभिन्न ग्रहों की महादशा एवं अन्तर्दशाएँ १०८८
४३. विभिन्न राशिगत ग्रहों का फल १०८९
४४. महादशा में विभिन्न ग्रहों का फलादेश १०९२
४५. ग्रहों की अवस्थाएँ १०९९
४६. साढ़ेसाती क्या है ११०१
४७. कैसे श्री गणेश करें (उदाहरण सहित) ११०२
४८. अध्ययन के लिए कुछ कुण्डलियाँ ११०४

खण्ड-१५ : देवी देवताओं के तान्त्रिक प्रभाव वाले—स्तोत्र एवं कवच **११०९**

१. गणेश वन्दना, सरस्वती वन्दना, गुरू वन्दना, गुरू स्तोत्रम् ११११
२. महामृत्युंजय स्तोत्र (लघु), महामृत्युंजय स्तोत्र (बृहद) ११११
३. गायत्री मन्त्रम्, प्रातः वन्दना, ईश्वर वन्दना, कृष्ण स्तुति १११२
४. राम स्तुति, राम वन्दना, हनुमान स्तुति, लक्ष्मी स्तुति १११२
५. पार्वती स्तुति, अन्नपूर्णा स्तुति, काली स्तुति, कार्य समर्पणम् १११३
६. उपनिषद मन्त्र, नवग्रह मन्त्र १११३
७. नवग्रहों के गायत्री मन्त्र, कल्याण प्रार्थना, सर्वसुख प्रार्थना १११४
८. सद्बुद्धि प्रार्थना, भोजन मन्त्र, शयन मन्त्र १११४
९. श्री सूक्तम् १११६
१०. ऋणमोचन मंगल स्तोत्र १११८
११. अन्नपूर्णा स्तोत्र १११९
१२. अपराजिता स्तोत्र ११२०
१३. श्री कनकधारा स्तोत्र ११२२
१४. श्री लक्ष्मी स्तोत्र ११२४
१५. श्री हनुमल्लांगूल स्तोत्र ११२६

श्री दुर्गा उपासना में किए जाने वाले स्तोत्र एवं कवच

१६. अथ देव्याः कवचम् ११२९
१७. अथ अर्गला स्तोत्रम् ११३३

१८. अथ कीलक स्तोत्रम्	....	
१९. अथ वेदोक्तं रात्रि सूक्तम्	....	११३५
२०. अथ तन्त्रोक्तं रात्रि सूक्तम्	....	११३६
२१. अथ देवी अथर्वशीर्षम्	....	११३७
२२. अथ नवार्ण विधि	....	११३८
कलियुग में विशिष्ट प्रभाव वाले चमत्कारी स्तोत्र और कवच		११४१
२३. अपराजिता स्तोत्र	....	
२४. इन्द्राक्षी स्तोत्र	....	११४५
२५. धन प्राप्ति के लिए—धनदास्तोत्र	....	११४७
२६. सर्वअभीष्ट फलप्रद—धनदादेवी स्तोत्र	....	११४८
२७. धन एवं पुत्र प्रदायक—धनदा कवच	....	११४९
२८. महाविद्या स्तोत्रम्	....	११५०
२९. मुण्डमाला तन्त्रोक्त महाविद्या स्तोत्रम्	....	११५१
३०. महाविद्या कवच	....	११५५
३१. दश महाविद्याओं के मन्त्र	....	११५७
३२. प्रत्यंगिरा स्तोत्रम्	....	११५८
३३. विपरीत प्रत्यंगिरा स्तोत्रम्	....	११५९
३४. प्रत्यंगिरा कवचम्	....	११६७
३५. स्थान व देहरक्षा, शत्रुनिग्रह एवं विषय प्राप्ति हेतु—बगलामुखी कीलक स्तोत्रम्	....	११६८
३६. अथ बगलामुखी स्तोत्र भाषा-टीका (अर्थात् ब्रह्मास्त्र महाविद्यास्तोत्र)		११७०
३७. आरोग्य प्राप्ति के लिए—श्री आदित्य हृदय स्तोत्रम् (भाषा-टीका) ...		११७१
३८. आर्ष आदित्य हृदय स्तोत्रम् (हिन्दी अनुवाद सहित)	....	११७४
३९. संकटनिवारक—गजेन्द्र मोक्ष स्तोत्र	....	११९६
४०. अथ दशरथ कृत शनि स्तोत्र (१)	....	१२०१
४१. श्री शनि स्तोत्रम् (२)	....	१२०३
४२. श्री शिव महिम्न स्तोत्रम् (भाषा-टीका)	....	१२०८
४३. श्री शिव ताण्डव स्तोत्रम् (भाषा-टीका)	....	१२०९
४४. अभिचार रक्षा के लिए—श्री नृसिंह कवच	....	१२१९
४५. तान्त्रिक आक्रमणों से बचाव हेतु—श्री नारायण कवच	....	१२२२
४६. तान्त्रिक शक्तियों से युक्त श्री सुदर्शन कवच (१)	....	१२२३
४७. तान्त्रिक शक्यिों से युक्त श्री सुदर्शन कवच (२) .	....	१२३०
४८. असाध्य रोगों से रक्षा के लिए—महा मृत्युंजय कवच (१)	....	१२३१
४९. मृत संजीवनी कवच	....	१२३२
५०. क्षमा प्रार्थना	....	१२३४
		१२३६

